वर्ष 29 अंक 46
पृष्ठ 18+4 =22
बरेली, शनिवार
28 अक्टूबर 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

PAGE NO. 6 MIDDLE RIGHT

गंभीर बीमारियों का बताया उपचार

एसआरएमएस में शुरू हुई तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस

यूपी एपीकॉन 2017 एवं मेडिसिन अपडेट 2017 में दूसरे प्रांतों से आए डाक्टरों ने दी नई रिसर्च पर अहम जानकारी

जागरण संवाददाता, बरेली : धोंजीपुरा स्थित श्री रममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जनरल मेडिसिन विभाग एवं एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस (यूपी चैप्टर) के सहयोग से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस यूपी एपीकॉन 2017 एवं मेडिसिन अपडेट 2017 का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। इसका मुख्य विषय स्टैंडर्ड केयर इन मेडिसिन रखा।

कांफ्रेंस के पहले दिन हैदराबाद से आए डा. पीएन राव ने लीवर की गंभीर बीमारी एनएएफएलडी (नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज) के बारे में बताया कि किस प्रकार मदिरा का सेवन नहीं करने वाले लोग भी इस खतरनाक बीमारी का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने लीवर फंक्शन टेस्ट करवाते रहने की सलाह दी। बीएचयू बनारस से आए डा. विनोद दीक्षित ने पेट से संबंधित रोग (आइबीएस) इरीटेटिव बाउल सिन्ड्रोम के बारे में बताया। कहा, यह बड़ी आंत को प्रभावित करने वाली एक बीमारी है जिससे रोगी को पेट में दर्द, ऐंठन, सूजन, गैस, कब्ज व दस्त की शिकायत रहती है। इसका उपचार लंबा है। एसजीपीजीआइ लखनऊ से आए डा. वीए सारस्वत ने लीवर सिरोसिस बीमारी का कारण व उसका उपचार की जानकारी दी। बताया कि इस रोग में लीवर संक्रमण के कारण लगभग नष्ट हो जाता है, जिस कारण भूख न लगना, उल्टी, पेट फूलना, एवं पेट में पानी आ जाना एवं मुंह से खून आ जाना, पेट में दर्द रहना जैसे लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं। सिर्फ लीवर प्रत्यारोपण ही इसका एकमात्र उपाय बचता है।

एसआरएमएस में आयोजित तीन दिवसीय कांफ्रेंस में अतिथियों का स्वागत करते आदित्यमूर्ति।

इंग्लैंड से आए डा. राज चंद्रप्पा ने सोडियम की कमी होने वाले रोग हाइपोनेटरेमिया की जानकारी दी। इससे शरीर में सोडियम नामक तत्व की कमी हो जाती है जिससे रोगी को थकान, सुस्ती, भूख कम लगना, बोलने में तकलीफ, भ्रम व बेहोशी आदि हो सकती है। यह समस्या अधिकतर आदराज लोगों में पाई जाती है। अधिक पसीना आना, अधिक पेशाब आना, उल्टी-दस्त आना इसका प्रमुख कारण है। शनिवार को कांफ्रेंस का विधिवत रूप से उद्घाटन होगा, जिसमें मुख्य अतिथि एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अनिल शुक्ला होंगे।